PRAYER SERVICE OF ST. CHAVARA

नबी इसायाह अपने स्वर्ग दर्शन के बारे में बताते हैं, ''मैने प्रभु को एक उँचे सिंहासन पर बैठा हुआ देखा। उसके वस्त्र का पल्ला मंदिर का पूरा फर्श ढ़क रहा था। उसके ऊपर सेराफिम विराजमान थे। उनके छः छः पंख थे : दो चेहरा ढ़कने, दो पैर ढकने और दो उड़ने के लिए। और वे एक दूसरे को पुकार–पुकार ये कहते थे, ''पवित्र, पवित्र पवित्र हे विश्वमण्डल का प्रभु! उसकी महिमा समस्त पृथ्वी में व्याप्त है।'' पुकारने वाले की आवाज से प्रवेशद्वार की नींव हिल उठी और मंदिर धुएँ से भर गया।'' (इसायाह 6:1–4) परम पावन परमेश्वर की जिस महिमा को नबी इसायाह ने देखा और जिसका वर्णन उन्होने किया वही पवित्र एवं विश्वमण्डल का प्रभु, सेराफिम एवं अपनी महिमा के साथ, हमारे बीच में इस पावन घड़ी में उपस्थित है।

स्तोत्रकार कहता है, ''धन्य है वह मनुष्य,जो दुष्टों की सलाह नहीं मानता, पापियों के मार्ग पर नहीं चलता और अधर्मियों के साथ नहीं बैठता, जो प्रभु का नियम ह्दय से चाहता और दिन–रात उसका मनन करता है। वह उस वृक्ष के सदृश है, जो जलस्रोत के पास लगाया गया, जो समय पर फल देता है, जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं। वह मनुष्य जो भी करता है, सफल होता है। क्योंकि प्रभु धर्मियों के मार्ग की रक्षा करता है।''

स्तोत्रकार के इस विवरण के अनुसार हम हमारे भारत के काथलिक कलीसिया में एक धार्मिक व भला व्यक्ति को पाते है, जो प्रभु ईश्वर को, अपने दुःख या सुख में निरंतर प्रार्थना रूपी सीढ़ी पर चढ़ कर पवित्र, पवित्र कह कर पुकारते थे। वह है हमारे प्यारे संत कुरियाक्कोस एलियस चावरा।तो आईये यह महान संत जो मनुष्यों के लिये ईश्वर द्वारा भेजा हुआ वरदान है, उसके लिए प्रभु को धन्यवाद ज्ञापन करे। तथा संत चावरा की मध्यस्थता द्वारा हमारे प्यारे प्रभु को हमारे बीच में एक गीत द्वारा आमंत्रित करें।

Bhajan or Hymn welcoming the Lord.....

असतोमा सत्गमय्
तमसोमा ज्योर्तिगमय् } 3
मृर्त्युमा अमृतम गमय्

संत कुरियाक्कोस एलियस चावरा स्वभाव से आध्यात्मिक थे। उनके जीवन में आध्यात्मिक और भौतिक के बीच में कोई दीवार नहीं थी। भक्ति–योग के द्वारा,

ईश्वर–प्रेमी और कर्म–योग से मानव प्रेमी से वे सम्पन्न थे। संत चावरा ने ईश्वर से मुफ्त में मिले दानों को अपने भाई–बहनों के बीच मुफ्त में बाँट कर ईश्वर को संप्रीत किया। केरल की कलीसिया की एक अत्यन्त जटिल परिस्थिति में संत चावरा एक प्रकाशवाहक के रूप में अवतरित हुए। वे परोपकारी और सर्वहितकारी सेवक थे, सर्वोपरि वे पवित्रात्मा से भरे हुए व्यक्ति थे। उनकी दूर दृष्टि और तपोमय प्रार्थना से उत्पन्न विविध कार्ययोजनायें न केवल केरल को बल्कि सारे विश्व को प्रभावित करने में सक्षम थी। शिक्षा, दलितोद्धार, नारी–उत्थान आदि के सहारे समाज को प्रगतिशील बनाने हेतु उन्होने क्रान्तिकारी प्रयास किये। धर्म और जाति की सीमाओं को लांघ कर जनसाधारण को अज्ञानता की गुलामी से मुक्त कराने के लिए शिक्षा क्षेत्र में संत चावरा ने जो दूरदर्शितापूर्ण तथा साहसिक कदम उठाये उनके लिए आज महान् तपस्वी और मानव–प्रेमी संत चावरा के चमकीले व्यक्तित्व एवं जीवन–दर्शन अनेकों को पथप्रदर्शन कर रही है।
तो आईये इस महान संत का हम एक गीत के द्वारा गुणगान करें।

संत चावरा के प्रति गीत.....

संत कुरियाक्कोस एलियस चावरा का व्यक्तित्व साधारण होते हुए भी अति निराला था। वे अनेक गुणों से सम्पन्न थे और वही गुण की खुशबु आज तक हमारे देश विदिश के कोने–कोने में, संत चावरा के पुत्र–पुत्रियों के द्वारा फैलते जा रही है। अभी हम इस महान संत के जीवन के कुछ श्रेष्ठ गुणों के बारे में सुने।

Reading - दक्षिण से एक संत – संत कुरियाक्कोस एलियस चावरा – लेखक अनूप देव Page No. 43, II Paragraph.

Hymn…

निवेदन प्रार्थना –

(1) हे सबके प्रभु ईश्वर, हम आपकी आराधना करते हैं। तुझसे प्राप्त वरदानों के लिए हम तेरी स्तुति और वन्दना करते हैं। हमारे इस छोटे समूह को हम आपके पवित्र चरणों में समर्पित करते है। हमारे समूह में बरसाये तेरे सभी कृपादानों के प्रति हम तेरी स्तुति करते हैं। हे सभी अनुग्रहों के ईश्वर, हम पूर्ण दिल से तुझे प्रेम करते हैं। सन्त पिता चावरा कुरियाक्कोस एलियास को तूने जो महिमा प्रदान की है, उसके प्रति हम तेरी स्तुति करते हैं। उस धन्य पिता के द्वारा जो प्रार्थना हम कर

रहे है, उसे तू दयापूर्वक स्वीकार कर, और संत पिता चावरा की मध्यस्थता द्वारा हमें भरपूर आशिष दे।

अनुवाक्य – ''हे प्रभु, संत पिता चावरा के द्वारा हमारी प्रार्थना सुन।''

(2) हे प्रभु, तूने पिता चावरा को अपने सारी जिन्दगी पवित्रता में जीने का महान वरदान प्रदान किया। हमें अनुग्रह दे जिससे हम भी उस संत धन्य पिता का अनुकरण करते हुए दिल की सच्चाई के साथ अपना जीवन बिताएँ। विश्वास में अटल रहें और निरन्तर प्रार्थना करते हुए तेरी राह पर आगे बढ़े। इसके लिए हम प्रार्थना करते हैं।

अनुवाक्य – ''हे प्रभु, संत पिता चावरा के द्वारा हमारी प्रार्थना सुन।''

(3) हे प्रभु, संत पिता चावरा के समान विश्वास में दृढ़ बने रहने का आशिष हमें दे। हमारे जीवन के हर दैनिक परिस्थितियों में भी दृढ़ बने रहने तथा पिता चावरा के समान ईश्वर का सहारा लेने का हमें अनुग्रह प्रदान कर। हम प्रार्थना करे हैं।

अनुवाक्य – ''हे प्रभु, संत पिता चावरा के द्वारा हमारी प्रार्थना सुन।''

हम प्रार्थना करें –

हे प्रभु सर्वशक्तिमान ईश्वर, तूने हमारे प्रिय पिता संत चावरा कुरियाक्कोस एलियास को विशेष वरदानों से आभूषित किया। हम आपकी सन्तान संत पिता चावरा से प्रेरणा पाकर तुझसे निवेदन करते हैं, हमें भी उनके समान पवित्रता में जीने की कृपा दे। इस धरती पर हमारे जीवन के बाद संत पिता चावरा एंव अन्य संतो के साथ हम भी तेरा दर्शन करें और स्वर्ग राज्य में तेरे प्रिये भक्तों के साथ अनन्त जीवन प्राप्त कर सकें, हे सबके प्रभु, पिता, पुत्र और पवित्रात्मा, सर्वदा।

आमेन।

CMC - Mount Carmel Province
Bhopal